

## ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे एवं दलिली-मेरठ एक्सप्रेस-वे राष्ट्र को समर्पति

### चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दलिली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दो नवनिर्मित एक्सप्रेस-वे राष्ट्र को समर्पति किये। इनमें से पहला दलिली-मेरठ एक्सप्रेस-वे का 14 लेन, एक्सेस नयित्ति प्रथम चरण है जो नजामुद्दीन पुल से दलिली यूपी सीमा तक फैला हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग का 8.360 किलोमीटर। का यह हिसा लगभग 841.50 करोड़ रुपए की लागत से 30 महीनों की अपेक्षित निर्माण अवधि के मुकाबले 18 महीनों के रिकॉर्ड समय में तैयार हुआ है। इसमें 6 लेन का एक्सप्रेस-वे और 4 + 4 की सर्विस लेन शामिल हैं।

- इस परियोजना का शिलान्यास माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 31 दिसंबर, 2015 को किया गया था।

### लक्ष्य

- दलिली-मेरठ एक्सप्रेस-वे परियोजना का लक्ष्य दलिली एवं मेरठ के बीच तथा इससे और आगे, उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के साथ तेज एवं सुरक्षित संपर्क उपलब्ध कराना है।

### मुख्य विशेषताएँ

- इस परियोजना की कुल लंबाई 82 किलोमीटर है जिसमें से शुरुआती 27.74 किलोमीटर की लंबाई 14 लेन की होगी, जबकि शेष 6 लेन का एक्सप्रेस-वे होगा। इस परियोजना पर 4975.17 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है।
- यह ऐसा पहला एक्सप्रेस-वे होगा, जिसमें दलिली एवं डासना के बीच लगभग 28 किलोमीटर के खंड पर समर्पित बाइसाइकल ट्रैक होगा।
- इस परियोजना में 11 फ्लाईओवर/इंटरचेंज, 5 बड़े एवं छोटे पुल, तीन रेल ओवरब्रिज, 36 वाहनों के लिये तथा 14 पैदल यात्रियों के लिये अंडरपास होंगे।
- पूरी परियोजना के संपन्न हो जाने के बाद दलिली से मेरठ जाने में केवल 60 मिनट लगेंगे।

### राष्ट्र को समर्पति की जाने वाली दूसरी परियोजना

- राष्ट्र को समर्पित यह देश की दूसरी परियोजना ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे (Eastern Peripheral Expressway - EPE) है जो राष्ट्रीय राजमार्ग 1 पर कौंडली से राष्ट्रीय राजमार्ग 2 पर पलवल तक 135 किलोमीटर लंबा खंड है।
- प्रधानमंत्री ने इस परियोजना के लिये शिलान्यास 5 नवंबर, 2015 को किया था।
- पश्चिमी एवं पूर्वी दलिली से राष्ट्रीय राजमार्ग 1 एवं राष्ट्रीय राजमार्ग 2 को जोड़ते हुए वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे (Western Peripheral Expressway - WPE) एवं ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे (Eastern Peripheral Expressway - EPE) से निर्मित दलिली के चारों ओर पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे (Peripheral Expressways) की परियोजना की परकल्पना ऐसे ट्रैफिक को डायवर्ट करने (जनिका गंतव्य दलिली नहीं है) तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को भीड़-भाड़ एवं प्रदूषण से बचाने के लिये की गई है।
- EPE के लिये लगभग 5900 करोड़ रुपए की लागत से कुल 1700 हेक्टेयर भूमिका अधिग्रहण किया गया है।
- परियोजना की निर्माण लागत लगभग 4617.87 करोड़ रुपए है। एक्सप्रेस-वे लगभग 500 दिनों के रिकॉर्ड समय में तैयार हो गया है, जबकि निर्धारित लक्ष्य 910 दिनों का था।
- एक्सप्रेस-वे में 4 बड़े पुल, 46 छोटे पुल, तीन फ्लाईओवर, 7 इंटरचेंज, 221 अंडरपास, 8 आरओबी एवं 114 पुलिया (कल्वर्ट) हैं।
- इस परियोजना ने लगभग 50 लाख मानव दिवसों के लिये रोजगार की संभावनाएँ सृजित की हैं।

पैकेज की संख्या	पैकेज का विवरण
I.	नजामुद्दीन ब्रिज से यूपी सीमा तक (0.000 किलोमीटर से 8.360 किलोमीटर) 6-लेन एक्सप्रेस-वे और 4 + 4 सर्विस लेन यानी 14-लेन सुविधा
II.	यूपी सीमा से डासना तक

	(8.360 किलोमीटर से 27.740 किलोमीटर = 19.28 किलोमीटर) 6 लेन एक्सप्रेस-वे और 4 + 4 सेवा लेन यानी 14-लेन सुवधि
III.	डासना से हापुड़ तक (27.740 किलोमीटर से 49.346 किलोमीटर = 22.27 किलोमीटर) 6 लेन का एनएच 24, दोनों तरफ 2 लेन का सेवा सड़कों के साथ
IV.	दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे का ग्रीन-फील्ड संरेखण डासना से मेरठ तक (27.740 किलोमीटर से 59.983 किलोमीटर = 31.78 किलोमीटर) - 6 लेन का एक्सप्रेस-वे

### सौर बजिली का उपयोग

- यह देश का ऐसा पहला एक्सप्रेस-वे है जिसमें पूरी 135 कमी. की लंबाई में सौर बजिली का उपयोग किया गया है।
- अंडरपासों को रौशन रखने, वॉटरगि प्लांटों के लिये सौर पंपों के परचालन के लिये इस एक्सप्रेस-वे पर 4000 किलोवाट (4 मेगावाट) की क्षमता के आठ सौर बजिली संयंत्र हैं।
- EPE पर प्रत्येक 500 मीटर पर वर्षा जल संचयन का प्रावधान किया गया है तथा पूरे EPE पर ड्रिप सिंचाई भी है।
- भारतीय संस्कृति एवं वशिसत को प्रदर्शति करती स्मारकों की 36 प्रतकृतियाँ भी हैं।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/narendra-modi-opens-eastern-peripheral-expressway>

